(A No. 149) कृषि जोखिम प्रबंधन और फसल बीमा: किसान सुरक्षा की नई संरचना

पूजा मलिक
आईसीएआर–राष्ट्रीय जलीय और अबायोटिक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, पुणे

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था का आधार है, परंतु यह सबसे जोखिमपूर्ण क्षेत्र भी है। अनियमित वर्षा, बाजार में उतार-चढ़ाव, कीट प्रकोप, प्राकृतिक आपदाएँ, मूल्य में गिरावट और फसल नष्ट होने की स्थिति में किसान की आमदनी सबसे अधिक प्रभावित होती है। ऐसे समय में **कृषि जोखिम प्रबंधन और फसल बीमा** किसान सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बनकर उभर रहा है।

कृषि जोखिम क्या है?

किसान को उत्पादन, बाजार, मूल्य, जलवायु और नीति जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इन्हें मुख्यतः पाँच वर्गों में बाँटा जा सकता है:

जोखिम का प्रकार	उदाहरण
प्राकृतिक जोखिम	सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि
मूल्य जोखिम	MSP से नीचे बाजार भाव
बाजार जोखिम	खरीदार न मिलना
उत्पादन जोखिम	कीट एवं रोग प्रकोप
नीतिगत जोखिम	अचानक नियम बदलना

फसल बीमा की आवश्यकता

भारत में लगभग 70% किसान छोटे और सीमांत हैं जिनकी आय सीमित है। ऐसे में फसल बीमा उनकी आय को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीमा से किसान को सुरक्षा कवच मिलता है और वह दोबारा खेती करने के लिए सक्षम रहता है।

✔ नुकसान की भरपाई
✔ बैंक ऋण के लिए पात्रता
✔ मानसिक तनाव में कमी
✔ निवेश करने का प्रेरणा बढ़ना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)

विशेषता	विवरण
किसानों का प्रीमियम	खरीफ में 2%, रबी में 1.5%
बाकी राशि	केंद्र और राज्य सरकार द्वारा वहन
कवरेज	प्राकृतिक आपदा, कीट, रोग
दावा प्रक्रिया	मोबाइल ऐप सहित डिजिटल प्रणाली
उद्देश्य	'फसल सुरक्षा से किसान सुरक्षा'

अन्य योजनाएँ और पहल

योजना / कार्यक्रम	लाभ
मौसम आधारित बीमा (WBCIS)	मौसम के आधार पर सहायता
किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)	बीमा + ऋण सुविधा
डिजिटल फसल मूल्यांकन	ड्रोन और सैटेलाइट द्वारा नुकसान मापना
कृषि आपदा राहत कोष	फसल नष्ट होने पर तात्कालिक सहायता

आधुनिक तकनीक और बीमा

- ड्रोन द्वारा क्षति सर्वेक्षण
- सैटेलाइट से फसल निगरानी
- AI आधारित जोखिम मॉडल
- मोबाइल ऐप से बीमा दावा
- रिमोट सेंसिंग द्वारा डेटा संग्रह

इनसे बीमा का काम तेज, पारदर्शी और किसान-मित्र बन रहा है।

चुनौतियाँ

समस्या	समाधान
किसान जागरूकता कम	ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण
दावा में देरी	रियल टाइम डेटा सिस्टम
सर्वेक्षण की जटिलता	ड्रोन व AI सर्वेक्षण
छोटे कृषक की कवरेज कम	समूह आधारित बीमा (FPO Model)

FPO और सामूहिक बीमा मॉडल

किसान उत्पादक संगठन (FPO) समूह बीमा करवाने में सक्षम हो रहे हैं। इससे प्रीमियम कम होता है, दावा प्रक्रिया सरल होती है और सामूहिक बातचीत की शक्ति बढ़ती है।

✔ एक गांव – एक बीमा मॉडल
✔ समूह आधारित जोखिम नियंत्रण
✔ बीमा + तकनीक = सुरक्षित खेती

निष्कर्ष

कृषि विज्ञान की मासिक पत्रिका
किसान गज़ट

कृषि जोखिम प्रबंधन केवल सरकारी नीति नहीं, बल्कि किसान की आर्थिक स्वतंत्रता का आधार है। यदि बीमा व्यवस्था मजबूत हो जाए, तो किसान **उत्पादक से उद्यमी** बन सकता है।

"जोखिम को नियंत्रित करना ही असली खेती है — और फसल बीमा ही उसका सुरक्षा कवच।"
"किसान सुरक्षित — देश सुरक्षित।"